भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 665 का उत्तर

मोहाली-राजपुरा रेल परियोजना

665. डॉ. राज कुमार चब्बेवाल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने पंजाब में मोहाली-राजपुरा रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण शुरू कर दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने परियोजना को पूरा करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) देश में इस रेल परियोजना के प्रचालन के माध्यम से पंजाब के लोगों को होने वाले संभावित लाभ का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): हाल ही में, राजपुरा - मोहाली नई रेल लाइन परियोजना (18.11 कि.मी.) 443.29 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत की गई है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी गई है। इस परियोजना को विशेष रेल परियोजना के रूप में घोषित किया गया है। नवंबर, 2025 में भूमि अधिग्रहण के लिए सक्षम प्राधिकारी को भी नामित किया गया है।

यह परियोजना दक्षिण पंजाब (बठिंडा क्षेत्र) को सरहिंद - गोबिंदगढ़ और राजपुरा क्षेत्र के बीच अंबाला में रुके बिना सीधे चंडीगढ़ से जोड़ेगी।

पंजाब राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी कार्यों हेतु बजट आबंटन का विवरण निम्नानुसार हैः-

अवधि	परिव्यय
2009-14	225 करोड़ रु./वर्ष
2025-26	5,421 करोड़ रु. (24 गुना से अधिक)

निधि आवंटन में कई गुना वृद्धि हुई है। बहरहाल, परियोजना के निष्पादन की गति शीघ्र भूमि अधिग्रहण पर निर्भर है। पंजाब राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण विलंबित है। भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए पंजाब सरकार का सहयोग आवश्यक है।

भारत सरकार परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए तैयार है, बहरहाल सफलता पंजाब सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है। उदाहरणार्थ, भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है : -

क्र.सं.	परियोजनाओं का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण के लिए शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	फिरोजपुर-पट्टी नई लाइन	166	0	166
2.	अलाल-हिम्ताना कॉर्ड लाइन	20	0	20

फ़िरोज़पुर-पट्टी नई रेल लाइन (26 कि.मी.) जो अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट पूर्णत: पंजाब में स्थित एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इस परियोजना के लिए पंजाब राज्य सरकार द्वारा परियोजना के लिए भूमि निःशुल्क सौंपी जानी थी। फिरोजपुर और तरनतारन जिलों में कुल 166

हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जाएगी। मार्च, 2023 में संपूर्ण भूमि संबंधी निर्णय को प्रकाशित किया गया था। बहरहाल, राज्य सरकार द्वारा भूमि संबंधी निर्णय संवितरित नहीं किया गया है। इस महत्वपूर्ण सीमा क्षेत्र परियोजना के निष्पादन में विलंब को देखते हुए, रेल मंत्रालय ने अपने स्वयं वित्त-पोषण से फिरोजपुर-पट्टी नई लाइन (26 कि.मी.) शुरू करने का निर्णय लिया है।

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी मंजूरी
- बाधक जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृति स्थिति
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- विशिष्ट परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना(ओं) के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******